(7) लोहरा / लोहारा

- झारखंड मे इनका सर्वाधिक संकेन्द्रण रांची , गुमला , सिमडेगा , हजारीबाग , गिरिडीह , बोकारो , चतरा तथा लोहरदगा आदि जिलों मे है ।
- प्रजातीय समूह – प्रोटो ऑस्ट्रोलॉइड
- ये लोग असूर के वंशज माने जाते है ।

समाजिक व्यवस्था

CAREER FOUNDATION

- प्रमुख गोत्र – साउरह , सोनू , मद्यइया , तुतली , कचुआ , धान , तिरकी
- समगोत्रीय विवाह निषिद्ध है
- सामान्यतः एक विवाह की प्रथा है कही कही बहु विवाह भी देखने को मिलता है ।

धर्म

- प्रमुख देवता – विश्वकर्मा देव

अर्थव्यवस्था – घर गृहस्थी के लिए उपयोगी लोहे का उपकरण बनाना इनका मुख्य व्यवसाय है । शिकार करना , नाचना गाना भी पंसद

Website :-www.careerfoundation.org.in
Contact Us in- 7070802888

(8) भूमिज जनजाति

- झारखंड में इनका सर्वाधिक जमाव मानभूम क्षेत्र अर्थात धनबाद तथा हजारीबाग मे है । इसके अलावा ये लोग रांची तथा सिंहभूम मे भी है।
- धनबाद में भूमिज जनजाति सरदार के नाम से जानी जाती है ।
- इनका रंग रूप मुण्डाओं से मिलता–जुलता है ।
- प्रजातीय समूह – प्रोटोऑस्ट्रोलॉयड

समाजिक व्यवस्था

- प्रमुख गोत्र – पट्टी , जेओला ,गुलगू तथा हेम्ब्रम इत्यादि ।
- समगोत्रीय विवाह निषिद्ध है ।
- विवाह का सबसे प्रचलित रूप – आयोजित विवाह , वधू–मूल्य दे कर किया जाने वाला विवाह आयोजित विवाह कहलाता है ।

CAREER FOUNDATION
जुनून राष्ट्र सेवा का

अन्य विवाह

- गोलट विवाह
- अपहरण
- सेवा विवाह
- राजी खुशी विवाह

नोट – तलाक की प्रथा विद्यमान है ।

Website :-www.careerfoundation.org.in
Contact Us in- 7070802888

- पति द्वारा पत्ते को फाड़कर टुकड़े करने पर तलाक हो जाता है ।
- घने जंगलो मे रहने के कारण मुगल काल में भूमिज जनजाति को चुआड़ उपनाम से जाना जाता था ।
- श्रद्धा संस्कार को कमावत कहते है ।

(9) महली जनजाति

CAREER FOUNDATION

- प्रजातीय समूह – द्रविड़
- सर्वाधिक सकेन्द्रण – सिंहभूम , रांची , गुमला , सिमडेगा , लोहरदगा , हजारीबाग , बोकारों , धनबाद , संथाल परगना ।
- महली जनजाति की पांच उपजातियां होती है ।

1) बॉसफोर महली

2) पाटार महली

3) सुलुंखी महली

4) तांती महली

5) माहली मुण्डा

Website :-www.careerfoundation.org.in
Contact Us in- 7070802888

- प्रमुख गोत्र –चारधगीया चारबेर , ढिलीकी , डुंगरी (डुमरियार) , गुंदली , हांसदा , हेम्ब्रम , खंगार , हेमरोम , खैरियार , कठगाछ , केरकेट्टा , मारी , मुरूमर , टोपवर , तिरकी आदि ।
- महली जनजाति मे रिश्ता नाता हिन्दुओं की तरह ही है । बाल विवाह व युवा विवाह दोनो प्रचलित है ।
- वधु मूल्य को पोन टाका कहते है ।
- जातीय पंचायत प्रमुख को परगनैत कहते है ।
- महली जनजाति बांस की कला में पारंगत है ।
- यह एक शिल्पी जनजाति है।

CAREER FOUNDATION
जुनून राष्ट्र सेवा का

प्रमुख आराध्य – सुरज देवी

(10) माल पहाड़िया

- यह एक आदिम जनजाति है जिसका सर्वाधिक संकेन्द्रण राजमहल मे भी है ।
- प्रजातीय समूह – प्रोटोऑस्ट्रोलॉयड
- इस जनजाति मे गोत्र नही होता ।

Website :-www.careerfoundation.org.in
Contact Us in- 7070802888

- वंशानुगत भिन्नता के आधार पर विभाजन मिलता है । ये अपने उपनाम से पहचाने जाते है – सिंध , गृही , मांझी आहरिती , नइया , डेहरी । इनमे अंतर्विवाह होता है ।
- वधु मुल्य – पोन/बंदी
- गांव का मुखिया – प्रधान/महतो/ओहदार
- पंचायत के अन्य पद – सरदार , मांझी , मुस्तगीर , गोड़इत

अर्थव्यवस्था

- माल पहाड़िया जनजाति की आजीविका का मुख्य साधन – शिकार , खाद्य संग्रह , झूम खेती (कुरवा) ।
- कई ऐसे भी है जो खेती बारी करते है ।

CAREER FOUNDATION
राष्ट्र सेवा का

धर्म

- प्रधान देवता – सूर्य
- सुर्याही पुजा का विशेष महत्व है ।

Website :-www.careerfoundation.org.in
Contact Us in- 7070802888

(11) गोंड जनजाति

- 2011 की जनगणना के अनुसार गोंड जनजाति भारत की दुसरी सर्वाधिक जनसंख्या वाली जनजाति है ।
- झारखंड मे इनका सर्वाधिक संकेन्द्रण गुमला , सिमडेगा , रांची , पलामू एवं कोल्हाण मे है ।
- झारखंड के अलावा ये मध्यप्रदेश , छत्तीसगढ , आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र , गुजरात ,बिहार , उड़िसा व पंश्चिम बंगाल ।
- प्रजातीय समूह – द्रविड़

CAREER FOUNDATION
जुनून राष्ट्र सेवा का

गोंड जनजाति 3 वर्गो मे विभक्त है –

1. राजगोंड – अभिजात्य वर्ग
2. पटेल गोंड – जमींदार/उच्च रैयत वर्ग
3. धूर गोंड – खेतिहर मजदूर

- ये अपने गोत्र मे विवाह नही करते ।
- गोंड जनजाति का युवागृह घोटुल/गोटल कहलाता है । गोंड जनजाति में संयूक्त परिवार की प्रथा है ।

Website :-www.careerfoundation.org.in
Contact Us in- 7070802888

- संयूक्त परिवार को भाई बंद/भाई बिरादरी कहते है ।
- गोंड जनजाति चचेरी , ममेरी , फुफेरी बहन से विवाह को प्राथमिता देते है जिसे 'दूध लौटाव विवाह कहा जाता है ।
- बहुविवाह की प्रथा प्रचलित है ।
- विधवा पूनर्विवाह तथा तलाक प्रथा विद्यमान है ।
- इनकी अपनी पंचायत व्यवस्था है ।

अर्थव्यवस्था

CAREER FOUNDATION
जुनून राष्ट्र सेवा का

- गोंड जनजाति की अर्थव्यवस्था कृषि एवं वनो पर निर्भर है ।
- अधिकांश अपने जीवन–यापन के लिए कृषि पर निर्भर है ।
- गोंड भी झूम खेती करते है जिसे दीपा या बेवार कहते है । कुछ वनोत्पाद , शिकार , मछली मारते है ।
- मदिरापान का काफी प्रचलन है ।

धर्म

- प्रधान देवता – ठाकुर देव (सूर्य का प्रतिरूप)
- ठाकुर देई (धरती देवी) , फर्सापेन (कुल देवता) , मतिया घाघरा ।

धार्मिक प्रधान – फरदंग (भाट) / चारण

Website :-www.careerfoundation.org.in
Contact Us in- 7070802888